कोटद्वार, शुक्रवार
7 मार्च 2025
वर्षः 46
अंकः 292 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दून के डिप्टी कमांडेंट राणा 12 घंटे में दौड़ी 100 किमी

देहरादून। देहरादून निवासी बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट अखिलेश राणा ने एक और कीर्तिमान अपने नाम किया है। उन्होंने बिना रुके 12 घंटे दौड़कर 100 किमी की दौड़ पूरी की है। इससे पहले भी वो कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अखिलेश राणा देहरादून की डिफेंस कॉलोनी के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ में 01 और 02 मार्च को स्टेडियम रन का आयोजन किया गया था। इसमें देशभर के सैकड़ों धावक शामिल हुए। राणा ने अपनी प्रतिभाग का लोहा मनवाते हुए 100 किमी की दौड़ 12 घंटे लगातार दौड़कर पूरी की। इससे उन्होंने अपनी दृढ़ शक्ति का प्रदर्शन किया है। राणा के प्रदर्शन पर आईजी बीएसएफ और अन्य अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है।बता दें राणा बीते साल कारगिल विजय दिवस पर लद्दाख में आयोजित सरहद शौर्यथॉन में भी शामिल हुए थे। इसमें उन्होंने 44 किमी की मैराथन 4.46 घंटे में पूरी कर इतिहास रचा था। सेना की ओर से इसके लिए 09 घंटे का समय रखा गया था। राणा ने इसबार भी निर्धारित समय से पहले ही स्टेडियम रन पूरी की है।

गंगनहर में डूबे दो युवकों का नहीं मिला सुराग

रुड़की। गंगनहर में डूबकर लापता हुए दो युवकों का कुछ पता नहीं चला पाया है। गुरुवार को युवकों की तलाश में स्थानीय पुलिस ने जल पुलिस के साथ मिलकर गंग नहर में सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि एक युवक 23 फरवरी को डूबकर लापता हो गया था। जबकि दूसरा युवक रविवार को पांव फिसलने से डूब गया था। पुलिस युवकों की तलाशी के लिए जल पुलिस के साथ बोट से सर्चिंग अभियान चला रही है। धनौरी चौकी प्रभारी हेमदत्त भारद्वाज ने बताया कि धनौरी के पास गंगनहर में दो मार्च को 18 वर्षीय उवेश निवासी मालपुर जिला बदायूं उत्तर प्रदेश नारियल पकड़ते हुए डूबकर गंगनहर में लापता हो गया। 23 फरवरी को 22 वर्षीय दीपक शर्मा पुत्र राजकुमार निवासी पिण्डरा बागड़ी जिला बलिया उत्तर प्रदेश डूबकर लापता हो गया था। दोनों की तलाश की जा रही है।

ऑनलाइन मुनाफा कमाने का झांसा देकर लाखों रुपये ठगे

काशीपुर। ऑनलाइन पैसे कमाने का लालच देकर एक व्यक्ति ने 14 लोगों से 25.19 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली। कोर्ट के आदेश पर कुंडा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ग्राम मिस्सरवाला निवासी इमरान अहमद पुत्र मो. यूनुस ने न्यायालय को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि अगस्त 2024 को बाजपुर के ग्राम गुमसानी निवासी रहमत अली पुत्र अली बख्श उसके घर आया। उसने खुद को रसलीव कंपनी का मालिक बताते हुए ऑनलाइन पैसा जमा करने पर ज्यादा लाभ मिलने की बात कही। रहमत के कहने पर उसने 29 अगस्त 2024 ऑनलाइन 16,400 रुपये और अपनी पत्नी फूल जहां के खाते से 27 से 29 अगस्त 2024 के बीच 19600 रुपये क्यूआर कोड पर ट्रांसफर कर दिए। रहमत अली के कहने पर ग्राम मिस्सरवाला, महुआखेड़ागंज, शिवलालपुर, अमरझंडा, गुलड़िया व अन्य गांवों के लोगों से भी 25,19,200 रुपये क्यूआर कोड पर भेज दिए। बाद में उन्होंने रकम वापस मांगी तो रहमत अली ने खुद को ठग बताते हुए रकम लौटाने से साफ इनकार कर दिया।

16 करोड़ का पानी मुफ्त पी गए नैनीताल के लोग

नैनीताल। शहर के लोग और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी–कर्मचारी करीब 16 करोड़ रुपये का पानी मुफ्त में पी गए। घरेलू, व्यवसायिक और सरकारी कनेक्शनों से पेयजल कनेक्शन लिए लोगों ने पानी का बिल नहीं चुकाया है। जल संस्थान से मिली जानकारी के अनुसार घरेलू कनेक्शनों पर 4.43 करोड़, व्यावसायिक कनेक्शनों पर 1.63 करोड़, सरकारी कनेक्शनों पर 6.61 करोड़ रुपये का बकाया है। ईई रमेश गर्ब्याल ने बताया कि बकाया वसूली के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी बकाएदारों से अपील है कि वे जल्द से जल्द पानी के बिलों का भुगतान कर दें। ऐसा न करने पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जल संस्थान का कहना है कि यदि समय रहते बिल जमा किए जाते हैं तो करीब 4 करोड़ रुपये का सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने मुखवा से दिया शीतकालीन यात्रा का जोरदार संदेश

•प्रधानमंत्री ने 'घाम तापो' के तौर पर की उत्तराखंड विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग•कॉरपोरेट जगत, फिल्म इंडस्ट्री, योग साधक, युवा लें विंटर टूरिज्म का अनुभव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिंह भेंट करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनसभा को संबोधित करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

उत्तरकाशी : एक दिवसीय शीतकालीन यात्रा पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुखवा और हर्षिल से उत्तराखंड में शीतकालीन तीर्थाटन और पर्यटन की जोरदार ब्रांडिंग की है। प्रधानमंत्री ने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों से लेकर कॉरपोरेट और फिल्म उद्योग तक को विंटर सीजन में उत्तराखंड आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग 'घाम तापो टूरिज्म' के तौर पर की है।

गुरुवार को हर्षिल में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति दुख व्यक्त किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव, व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोले कि मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला।

मां गंगा के आशीर्वाद से ही वो काशी पहुंच सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने ही उन्हें काशी बुलाया है। प्रधानमंत्री ने दार्शनिक अंदाज में कहा कि उन्हें कुछ महीने पहले अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने उन्हें गोद ले लिया है, अब अपने बच्चे के प्रति मां गंगा का दुलार ही है कि वो आज खुद मुखवा गांव पहुंच पाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वो हर्षिल की धरती पर आकर, अपनी दीदी भुलियों को भी याद कर रहे हैं, क्योंकि वो उन्हें हर्षिल की राजमा और अन्य लोकल प्रॉडक्ट भी भेजती रहती हैं। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक सुरेश चौहान मौजूद थे।

शीतकालीन यात्रा पर सीएम की पहल को सराहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शीतकालीन तीर्थाटन-पर्यटन पर जोर देते हुए कहा कि इसके माध्यम से उत्तराखंड की आर्थिक सामर्थ को साकार करने में बहुत बड़ी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस अभिनव पहल के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई देते हुए कहा कि उत्तराखंड के लिए अपने टूरिज्म सेक्टर को बहुआयामी या बारामासी बनाना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी पहाड़ों पर मार्च से जून के बीच ही ज्यादातर पर्यटन आते हैं, जबकि इसके बाद पर्यटकों की संख्या बहुत कम हो जाती है। अभी सर्दियों के सीजन में होटल, रिजॉर्ट, होम स्टे खाली पड़े रहते हैं। ये असंतुलन साल के बड़े हिस्से में उत्तराखंड की आर्थिकी को सुस्त कर देता हैं।

जबकि सच्चाई यह कि अगर देश-विदेश के लोग, सर्दियों में यहां आए तो उन्हें सच्चे अर्थ में देवभूमि की आभा के दर्शन होंगे। विंटर टूरिज्म में यहां लोगों को ट्रैकिंग, स्कीइंग जैसी एक्टिविटी का रोमांच मिलेगा।

सर्दियों का सीजन धार्मिक यात्रा के लिए भी अहम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि धार्मिक यात्रा के लिए भी उत्तराखंड में सर्दियों का समय बेहद खास होता है। यहां इस समय कई तीर्थ स्थलों पर विशेष अनुष्ठान होते हैं। यहां मुखवा गांव में ही जो अनुष्ठान किया जाता है, वो हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा है, इसलिए उत्तराखंड सरकार का बारामासी पर्यटन का विजन, लोगों को दिव्य अनुभूति से जोड़ेगा। इससे यहां साल भर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

डबल इंजन की सरकार मिलकर काम कर रही

प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए मिलकर काम कर रही है। राज्य में चारधाम, ऑल वेदर रोड आधुनिक एक्सप्रेस वे से लेकर रेलवे और हेली सेवाओं का विस्तार हो रहा है। एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे को मंजूरी प्रदान की है। केदारनाथ रोपवे के जरिए आठ से नौ घंटे की पैदल यात्रा 30 मिनट में पूरी हो जाएगी। इससे बुजुर्ग, महिलाओं ओर बच्चों की यात्रा सुगम हो सकेगी।

सीमांत गांवों के विकास पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, 2014 से पहले चार धाम यात्रा पर प्रतिवर्ष 18 लाख यात्री ही आते थे, अब हर साल 50 लाख से अधिक यात्री चारधाम यात्रा पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल के बजट में 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जा रहे हैं। इसके जरिए सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड के बॉर्डर वाले इलाकों में पर्यटक पहुंचे। उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती गांवों को आखरी गांव कहा जाता, लेकिन अब उन्हें पहला गांव कहा जा रहा है। इसी क्रम में सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज योजना शुरू की गई है, इसके जरिए नेलांग और जादुंग गांव फिर से बसाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के टिम्मबरसैंण, महादेवसैंण, माणा और जादुंग गांव में पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। जादुंग को 1962 में चीन युद्ध के समय खाली करा दिया गया था, अब 70 साल बाद सरकार इस गांव को फिर से बसा रही है।

गढ़वाली में 'घाम तापो पर्यटन'

प्रधानमंत्री ने देशभर के लोगों खासकर युवाओं से सर्दियों में उत्तराखंड आने का आह्वान करते हुए कहा कि सर्दियों में जब देश के बड़े हिस्से में कोहरा होता है, तो पहाड़ों में आप धूप का आनंद ले सकते हैं।

गढ़वाली में इसे 'घाम तापो पर्यटन' कहते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के कॉरपोरेट से उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि कॉरपोरेट की मीटिंग, कांफ्रेस, सेमिनार, एक्जीबिशन के लिए देवभूमि से अच्छी जगह नहीं हो सकती है। यहां आकर योग और आयुर्वेद के जरिए आप खुद को रिचार्ज कर सकते हैं। इसी तरह कॉलेज, यूनिवर्सिटी, स्कूलों के नौजवान विंटर ट्रिप के लिए उत्तराखंड आ सकते हैं।

कंटेंट क्रिएटर निभाएं भूमिका

प्रधानमंत्री ने हर्षिल में विंटर टूरिज्म पर लगाई गई, प्रदर्शनी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका मन कर रहा था के वो पचास साल पुराने दिनों में लौटकर इन सभी जगहों पर कुछ दिन बिता सकूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए कंटेंट क्रिएटर की मदद लेनी चाहिए, इसके लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की जा सकती है। प्रधानमंत्री ने गंगा मैया की जय नारे के साथ अपने संबोधन का समापन किया।

चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी का प्रमुख आधार : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का माँ गंगा के मायके मुखवा एवं सीमांत क्षेत्र हर्षिल घाटी आगमन पर सभी प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि उत्तराखंड के चहुंमुखी विकास के साथ ही यहां की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में हमें सदैव प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त होता रहा है। मुख्यमंत्री ने 04 हजार 81 करोड़ रूपए की लागत से गौरीकुंड से केदारनाथ और 27 सौ 30 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे निर्माण की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों रोपवे परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद तीर्थयात्रियों को आवगमन के लिए सुगमता होगी और प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी का एक प्रमुख आधार है। होटल व्यवसायियों से लेकर टैक्सी चालकों, स्थानीय दुकानदारों के साथ ही यात्रा से जुड़े हुए लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। शीतकाल में उत्तराखण्ड के चारों धामों के कपाट बंद होने के बाद इन सभी लोगों की आर्थिकी प्रभावित होती थी। जिसके दृष्टिगत प्रधानमंत्री जी से मार्गदर्शन प्राप्त कर इस वर्ष से राज्य में शीतकालीन यात्रा की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन से न केवल शीतकालीन यात्रा को वृहद् स्तर पर बढ़ावा मिलेगा बल्कि सीमांत क्षेत्र में ट्रेकिंग और माउंटेन बाइकिंग के साथ–साथ दूसरी एडवेंचरस एक्टिविटीज को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही राज्य में दो बड़े धार्मिक आयोजन प्रस्तावित है। जिनमें नंदा राजजात यात्रा और कुंभ शामिल है। हमें विश्वास है कि पीएम के नेतृत्व में इन दोनों आयोजन का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

पीएम ने हाथ मिलाकर, पीठ थपथपाकर सीएम को दी शाबाशी

शानदार बॉन्डिंग, छोटे भाई ऊर्जावान मुख्यमंत्री जैसे शब्दों का प्रयोग

जयन्त प्रतिनिधि।

उत्तरकाशी : शीतकालीन यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शानदार बॉन्डिंग गुरुवार को भी दिखी। प्रधानमंत्री को जब जहां मौका मिला, वह मुख्यमंत्री को शाबासी देते, प्रोत्साहित करते हुए दिखाई दिए। भाषण खत्म कर मुख्यमंत्री जैसे ही प्रधानमंत्री के करीब पहुंचे, तो पहले तो उन्होंने गर्मजोशी से हाथ मिलाया। बाद में मुख्यमंत्री की पीठ भी थपथपा दी।

एक के बाद एक महत्वपूर्ण फैसले लेने और उन्हें अमल में लाने के मुख्यमंत्री के अंदाज को शीर्ष स्तर पर पसंद किया जा रहा है। चाहे समान नागरिक संहिता हो या राष्ट्रीय खेलों का आयोजन, प्रधानमंत्री के स्तर पर मुख्यमंत्री को भरपूर शाबासी मिली है। अब शीतकालीन यात्रा के लिए राज्य सरकार के प्रयास पर प्रधानमंत्री संतुष्ट नजर आ रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने इसका बार-बार जिक्र भी किया। उन्होंने शीतकालीन यात्रा के उत्तराखंड से जुड़े आर्थिक पहलू को रेखांकित करते हुए इसे अभिनव पहल बताया। साथ ही, इसके लिए मुख्यमंत्री और उनकी सरकार को धन्यवाद भी दिया। अपने संबोधन की शुरुआत में मुख्यमंत्री के लिए प्रधानमंत्री ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, वह गौर करने वाले रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटा भाई और ऊर्जावान मुख्यमंत्री कहते हुए संबोधित किया। उन्होंने अपनी केदारनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का बन रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार बढ़िया काम कर रही है।

कभी मुस्कराए, कभी विनम्रता से जोड़े हाथ

हर्षिल की जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्षेत्रवासियों के जबरदस्त उत्साह के दर्शन भी हुए। कार्यक्रम में कई बार मोदी–मोदी के नारे गूंजे। इस पर प्रधानमंत्री कई बार मुस्कराए। कई बार उन्होंने विनम्रता से हाथ जोड़ लिए। पारंपरिक परिधान और टोपी पहने प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कई आंचलिक शब्दों का इस्तेमाल भी किया।

तमिलनाडु : आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके समर्थकों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

करूर ,तमिलनाडु में धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को 10 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के तहत राज्य के आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके समर्थकों के घरों पर भी छापेमारी की गई है। सूत्रों के अनुसार, ईडी के 10 से अधिक अधिकारियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर छापेमारी की। इनमें प्रमुख रूप से करूर जिले के रायनूर स्थित कोंगू मेस के मालिक मणि (जिन्हें सुब्रमण्यम के नाम से भी जाना जाता है) का घर शामिल है। इसके अलावा, इरोड रोड पर सरकारी ठेकेदार एम. शंकर आनंद और शक्ति मेस के मालिक कार्थी के आवासों पर भी छापेमारी की जा रही है। ये सभी लोग मंत्री सेंथिल बालाजी के समर्थकों के रूप में पहचाने जाते हैं। ईडी की यह छापेमारी धन शोधन के मामले में चल रही जांच का हिस्सा है, जिसके तहत कई महत्वपूर्ण स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, ईडी के अधिकारी इस कार्रवाई के दौरान कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री सेंथिल बालाजी पर कई गंभीर आरोप हैं, जिनमें वित्तीय धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और धन शोधन जैसे मामले शामिल हैं। ईडी इन आरोपों की गहन जांच कर रहा है, और इससे संबंधित दस्तावेजों को जब्त किया जा सकता है, जो कानूनी कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पिछले साल 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी। इसके तीन दिन बाद ही 29 सितंबर को उन्हें तमिलनाडु के बिजली, मद्य निषेध और आबकारी मंत्री के रूप में बहाल कर दिया गया। मई 2021 से जून 2023 तक वे इसी पद पर थे। 2 दिसंबर, 2024 को सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार द्वारा उनकी बहाली पर चिंता जताई थी तथा उनके खिलाफ मामले के गवाहों पर पड़ने वाले प्रभाव पर सवाल उठाया था।

प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान वायुसेना से बड़ी चूक, अपने ही देश में गिरा दिए 8 बम

सियोल , दक्षिण कोरिया में वायु सेना की गलती से बड़ी घटना घट गई। वायु सेना के एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान गुरुवार को फाइटर जेट (16) से गलती से 8 बम गिर गए। इस घटना में किसी के भी जान जाने की खबर नहीं है परंतू 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वायु सेना ने इस हादसे की जानकारी दी।वायु सेना ने खुद बताया कि यह घटना तब हुई जब केएफ–16 लड़ाकू विमान से प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान 8 एमके–82 बम अनजाने में छूट गए। हालांकि गनीमत ये रही कि सभी बम निर्धारित फायरिंग रेंज से बाहर जा गिरे। इस घटना में कुछ नागरिकों को ही चोटें आईं और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वायु सेना ने स्पष्ट किया कि यह एक मानवीय या तकनीकी गलती थी, जिसकी जांच शुरू कर दी गई है।

पंजाब में कर्फ्यू जैसे हालात, किसानों को दबाने में जुटी सरकार

चंडीगढ़ ,। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व शिक्षा मंत्री दलजीत चीमा ने बुधवार को राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पंजाब में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं और राज्य सरकार किसानों के आंदोलन को खत्म करने का काम कर रही है। राज्य सरकार तानाशाही की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को वीआईपी सुविधा मिलने पर भी निशाना साधा। पूर्व शिक्षा मंत्री चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार के बाद अब पंजाब सरकार भी किसानों को दबाने में जुट गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का पद बेहद जिम्मेदारी वाला होता है, लेकिन उन्होंने इतिहास में पहली बार किसानों को बुलाकर वापस भेजने का काम किया है। बता दें कि हाल ही में सीएम मान और किसान संगठनों के बीच बैठक हुई थी, लेकिन सीएम मान बैठक बीच में ही छोड़कर चले गए थे, जिसके बाद वह लगातार निशाने पर हैं।

चीमा ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार तानाशाही की ओर बढ़ रही है। किसान नेताओं के घर पुलिस भेजी गई, उन्हें गिरफ्तार कर जेलों में डाला गया। उन्होंने सवाल किया कि अगर किसानों के साथ ऐसा सलूक हो रहा है तो वे अपनी आवाज कहां उठाएं? शिरोमणी अकाली दल नेता ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, जिस व्यक्ति को मुख्यमंत्री रहते भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद किया गया और जिसे दिल्ली के लोगों ने नकार दिया, उन्हें अब 100 गाडिय़ों के काफिले के साथ एयरपोर्ट से होशियारपुर छोड़ा जा रहा है। अकाली दल के नेता ने आरोप लगाया कि केजरीवाल के पास कोई पद नहीं है, फिर भी पूरा प्रशासन उनके स्वागत में जुटा है, जबकि किसान आंदोलन कर रहे हैं, तो उन्हें जेलों में डाला जा रहा है।

जोगेश्वरी में नाबालिग लडक़ी से गैंगरेप, 5 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई , मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में एक नाबालिग लडक़ी के साथ गैंगरेप और छेडख़ानी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक, जोगेश्वरी ईस्ट में रहने वाली नाबालिग लडक़ी घर में झगड़े के बाद नाराज होकर स्टेशन की ओर चली गई थी। वहां उसे कुछ परिचित लोग मिले, जो उसे बहला–फुसलाकर अपने घर ले गए। वहां 26 फरवरी की रात तीन युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। अगली सुबह, 27 फरवरी को लडक़ी वहां से भाग निकली और घाटकोपर पहुंच गई। घाटकोपर में दो अन्य युवकों ने उसे झांसे में लिया और पहले मरीन ड्राइव, फिर दादर ले गए। पीड़िता के बयान के अनुसार, इन दोनों ने उसके साथ छेडख़ानी और बदसलूकी की। इस बीच, लडक़ी के परिवार ने जोगेश्वरी पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मुंबई पुलिस ने पूरे शहर में उसकी तलाश शुरू की और आखिर में वो दादर स्टेशन में मिली।

पुलिस ने दादर में मौजूद दोनों युवकों को गिरफ्तार किया, जो उसके साथ बदसलूकी कर रहे थे। इसके बाद पीड़िता के बयान के आधार पर गैंगरेप के तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले तीन फरवरी को मुंबई के बांद्रा टर्मिनल से एक महिला से रेप का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था।

हरियाणा के हिसार में दर्दनाक हादसा : कार पेड़ से टकराई, 4 दोस्तों की मौत

हिसार , हरियाणा के हिसार जिले में मंगली रोड पर बुधवार रात एक दर्दनाक सडक़ हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। चारों एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में उनकी कार बेकाबू होकर एक पेड़ से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति बहुत तेज थी, जिसके कारण मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और सीधे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एयरबैग खुलने के बावजूद कोई भी बच नही पाया। हादसे में एक युवक, हितेश, कार से बाहर गिर गया, जबकि बाकी तीन युवक कार में ही फंसे रह गए। मृतकों की पहचान अंकुश (19), निखिल, हितेश और साहिल के रूप में हुई है। चारों पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ते थे और गहरे दोस्त थे। वे मंगली एक दोस्त की शादी में शामिल होने आए थे। परिजनों के मुताबिक, चारों दोस्त हरिकोट के पास एक पैलेस में शादी में शामिल हुए थे, फिर हिसार पीएलए से कुछ सामान लेने के बाद वापस लौट रहे थे। इस दौरान हादसा हुआ।

योगी सरकार के बुल्डोजर पर सुप्रीम ब्रेक

कोर्ट ने कहा– घर बनाकर देने होंगे

नई दिल्ली , यूपी सरकार के बुल्डोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसकों लेकर कोर्ट ने कहा कि प्रयागराज में कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना लोगों के घर गिराए जाने के मामले पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई चौंकाने वाली है और बेहद गलत उदाहरण पेश करती है।

कोर्ट ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है। इसके साथ कोर्ट ने प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन अन्य लोगों के घरों को ध्वस्त करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय ओका और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने घरों को तोड़े जाने को अत्याचारी कदम बताया है। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा है कि सरकार को लोगों को मकान वापस बना कर देना होगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, प्रथम दृष्टया, यह कार्रवाई चौंकाने वाली है और गलत संदेश देती है। इसे ठीक करने की जरूरत है। आप घरों को तोडक़र ऐसे एक्शन क्यों ले रहे हैं। हम जानते हैं कि इस तरह के तकनीकी तर्कों से कैसे निपटना है। आखिरकार अनुच्छेद 21 और आश्रय के अधिकार जैसी कोई चीज होती है। सुप्रीम कोर्ट में जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद, दो विधवाओं और एक अन्य व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई चल रही थी, जिन्होंने सरकार पर गैर कानूनी तरीके से घरों को गिराने के आरोप लगाए हैं। वहीं सरकार के मुताबिक जमीन गैंगस्टर–राजनेता अतीक अहमद की थी, जो 2023 में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। इस पूरे मामले को लेकर इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज करने कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय से गुहार लगाई थी। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें मार्च 2021 में शनिवार रात को नोटिस दिया गया और रविवार को घर तोड़ दिए गए। याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा है कि राज्य को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए।

सम्पादकीय

उत्तराखंड में "नो–ऑफ सीजन"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड के प्रति प्रेम एक बार फिर देखने को मिला है। हालांकि इस बार उनका यह दौरा उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा से जोड़कर देखा जा रहा है और इसी के तहत केंद्र सरकार ने उत्तराखंड में कई पर्यटन से जुड़ी योजनाओं को हरी झंडी दी है। राज्य सरकार द्वारा शीतकालीन यात्रा का कार्यक्रम शुरू किया जाना पर्यटन के क्षेत्र में एक नया प्रयास है जिसके अपेक्षित परिणाम भी देखने को मिले हैं हालांकि इसमें अभी व्यापक तौर पर सुधार और इस सुविधा युक्त बनाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से खास लगाव रहा है और इस बार में उत्तराखंड के ऐसे सुदूर क्षेत्र में पहुंचे हैं जहां आमतौर पर किसी बड़े राष्ट्रीय नेता को देखा नहीं गया है। राज्य सरकार द्वारा शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है और देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के पर्यटन के लिए एक ब्रांड एंबेसडर साबित हो रहे हैं। उत्तराखंड सरकार ने इस साल शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम शुरू किया है। हज़ारों श्रद्धालु पहले ही गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के शीतकालीन स्थलों की यात्रा कर चुके हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे, पर्यटन व्यवसाय आदि को बढ़ावा देना है। केंद्र सरकार ने भी इस वर्ष के बजट में 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने और इन स्थानों पर होटलों को आधारभूत संरचना का दर्जा देने का प्रावधान शामिल है। देश के अन्य राज्यों के साथ–साथ उत्तराखंड में भी इस पहल से पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी और स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। उत्तराखंड सरकार की शीतकालीन पर्यटन योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उत्तराखंड की आर्थिक क्षमता कल अच्छे तक पहुंचाने के लिए कारगर साबित होगी। अब तक उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्र पर्यटन से अछूते थे लेकिन केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रयासों ने ऐसे स्थानों को भी पर्यटन से जोड़ने की कोशिश की है और इसी का परिणाम है कि इन क्षेत्रों को पर्यटन से लाभान्वित करने के लिए सरकार पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाना और इसे साल भर चलने वाली गतिविधि संचालित कर रही है। प्राकृतिक संसाधनों एवं सुंदरता से आज उत्तराखंड में वर्ष भर पर्यटन की संभावनाएं है और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात को कहा कि उत्तराखंड में कोई "ऑफ–सीजन" नहीं होना चाहिए और पर्यटन को हर मौसम में फलना–फूलना चाहिए। पर्यटन के चंद महीनों को छोड़ दें तो अन्य में राज्य के पर्यटक स्थलों पर बाद पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आती है, जिससे सर्दियों के दौरान अधिकांश होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे खाली हो जाते हैं। पर्यटन के विकास एवं स्थानीय लोगों के रोजगार को देखते हुए इस ऑक्सीजन को भी विकसित पर्यटन में बदलने की जरूरत है। और इसी दिशा में शीतकालीन पर्यटन की अवधारणा को राज्य सरकार ने धरातल पर उतारा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में केदारनाथ रोपवे परियोजना और हेमकुंड रोपवे परियोजना को मंजूरी दी है जिससे केदारनाथ रोपवे यात्रा के समय को 8–9 घंटे से घटाकर लगभग तीस मिनट हो जाएगा, जिससे खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए यात्रा सुलभ होगी। एक तरफ शीतकालीन पर्यटन और दूसरी तरफ विश्व विख्यात चार धाम यात्रा, सरकार को वर्ष भर पर्यटन का रोडमैप तैयार करना होगा और उसी के अनुसार सुविधाएं व्यवस्थाएं भी उपलब्ध करानी होंगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नही

प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोडक़र धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोडक़र इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है।

रमेश शर्मा

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी।यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है । एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान । सृष्टि की कुछ ऊर्जाएँ ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होतीं हैं। उसी प्रकार निवेश इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के समाज जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोडक़र धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोडक़र इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल–खंड विदेशी पर्यटक भारत आते रहे है। ह्वेनसाँग और फाह्यान से लेकर अल्बरूनी तक और कनिघंम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश को समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण कण में बिखरी है। इसे संजोने में वाकणकर जी ने अपना जिवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियाँ, अनूठे चिन्ह, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यही प्रसिद्धि मध्यकाल मध्यप्रदेश के विनाश का कारण बनी थी। लगातार आक्रमणों से यह प्रदेश विपन्नता के अंधकार में डूब गया । ऐसा अंधकार कि इसकी छवि एक बीमारू राज्य की बन गई। स्वतंत्रता के बाद भी राजनैतिक कारणों से अनेक स्वरूप बदले गये। मध्यप्रदेश के वर्तमान स्वरूप की सीमाएँ नवम्बर 2000 में बनीं। और विकास की नई यात्रा आरंभ हुई। इसके साथ प्रदेश के औद्योगिक विकास पर जोर दिया गया। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ मोहन यादव ने मोदी मंत्र विकास के साथ विरासत का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के इसमंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने केलिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक प्रदेश विकसित और उन्नत हो। 24–25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

समिट की तैयारियों का होमवर्क

मध्यप्रदेश की यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अचानक आयोजित नहीं हुई। इससे पहले राज्य सरकार ने पर्याप्त होम वर्क किया था। यह होमवर्क तीनों प्रकार से हुआ । एक ओर मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में पानी, बिजली, परिवहन और भूमि की उपलब्धता का विवरण तैयार किया गया, दूसरी ओर भारत ही नहीं पूरे संसार के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों से उनकी रुचि के उद्योगों को प्राथमिकता में रखकर चर्चा की गई और तीसरा मध्यप्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये । सरकार के केवल चौदह महीने के कार्यकाल में सात रीजनल इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुईं। इन तीनों प्रकार की तैयारी के बाद यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इन चौदह महीनों में मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्तावों का मानों एक नया कीर्तिमान बनाया है। कुल 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 21.40 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इस ग्लोबल समिट में 300 से अधिक प्रमुख उद्योगों के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर्स ने समिट में हिस्सा लिया। भारत का ऐसा कोई उद्योग समूह नहीं जिसके प्रतिनिधि इस समिट में सहभागी न बने हों। उनके साथ 600 से अधिक बिजनेस टू गवर्नमेंट और 5,000 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस बैठकें हुईं। निवेशकों और सरकार के बीच इस संवाद से औद्योगिक विकास की दिशा में एक मजबूत विश्वास बढ़ा है। विभिन्न सेक्टर्स के पच्चीस हजार से अधिक पंजीयन हुये और विभिन्न सेक्टर्स के 85 एम ओ यू पर हस्ताक्षर हुये। इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ मध्यप्रदेश का नाम निवेश की दुनियाँ में चर्चित हुआ और देश में तीसरे स्थान पर आ गया। इस समिट से औद्योगिक विकास और युवाओ को रोजगार के अवसर के साथ समृद्धि के नये द्वार खुले हैं । मध्यप्रदेश की गणना अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी । इस समिट की तैयारी में प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास एवं उनको वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में भी काम हुआ।

धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन

प्रदेश की साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और विविध प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन से जोडक़र निवेश आमंत्रित किये गये । निवेशकों ने इस दिशा में भी अपनी रूचि दिखाई। विंध्य, सतपुड़ा और अरावली पर्वतमाला से घिरी मध्यप्रदेश की यह धरती अपनी प्राकृतिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोक संस्कृति की विविधताओं के लिये संसार भर में प्रसिद्ध हैं। रॉक शेल्टर, गर्म पानी के झरने, हरे–भरे हिल स्टेशन, घाटियाँ, गुफाएँ वन्य जीवों और वनस्पति से भरे वन, उनका अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों केलिये सहज आकर्षण का केन्द्र हैं। रोचक लोक संस्कृतियाँ, उनके नृत्य कौशल, चित्रकारी, नृत्यगीत और उनसे जुड़े लोक जीवन की रोचक कहानियाँ भी शोध कर्ताओं और प्रकृति प्रेमियों को आकृषित करते हैं। इन सब स्थलों को पर्यटन से जोड़ा गया है। और निवेशकों के प्रस्ताव आये। प्रदेश में ऐसे अनेक मन्दिर, किले और विश्व प्रसिद्ध गुफ़ाएँ हैं जिनमें मानव सभ्यता के विकास का क्रम, गौरवशाली इतिहास छिपा है। वे सदैव आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। इनमें कुछ तो ऐसे हैं जिनके प्रतीक चिन्ह कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय से लेकर लंदन के म्युजियम में प्रदर्शित हैं। जैसै सतना के पास भरहुत का स्तूप के अवशेष कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय में और भोजशाला धार की माता सरस्वती की प्रतिमा लंदन के संग्रहालय में है। उज्जैन की वेधशाला, साँची के स्तूप, विदिशा का भग्न सूर्य मंदिर उदयगिरी की गुफाएँ, महू की बाघ गुफ़ाएँ, खजुराहों के मंदिर, जानापाव, सतधारा, चंबल, नर्मदा, ताप्ती, बेतवा और शिप्रा के उद्गम स्थल भेड़ाघाट आदि उल्लेखनीय हैं। ओंकारेश्वर, महाकाल, मैहर, सलकनपुर, ओरछा, तरावली, पीताम्बरा पीठ, पशुपतिनाथ मंदसौर, बाघ अभ्यारण्य, प्रमुख बाँध, पचमढ़ी आदि लगभग सौ विविध स्थानों को पर्यटन से जोडक़र निवेश आमंत्रित किये गये हैं। इनमें अधिकांश वे स्थल हैं इनका उल्लेख विदेशी पर्यटकों ने भी किया है। ये सभी स्थल न केवल प्रदेश अपितु विदेशी पर्यटकों केलिये भी आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। ग्लोबल समिट में निवेशकों ने इन सभी क्षेत्रों को एक पर्यटन कॉरीडोर बनाकर निवेश में रुचि दिखाई और निवेश करार भी हुये। इससे तीन लाभ होगे। एक तो इन क्षेत्रों में पर्यटन बढऩे से आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी, परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ेगे दूसरा पूरे विश्व से आने वाले पर्यटक मध्यप्रदेश के साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक गौरव से परिचित हो सकेंगे। और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण है इन स्थलों का रखरखाव बढ़ेगा अर्थात विकास के साथ विरासत का भी संरक्षण होगा।

भविष्य की योजनाएँ

एक समृद्ध विरासत के साथ मध्यप्रदेश में प्राकृतिक उत्पाद की अपनी कुछ विशेषताएँ भी हैं। कपास, खनिजों और कृषि उत्पाद की विविधता। कृषि उत्पाद में कपास उत्पाद, शरवती गेहूँ, नर्मदा पट्टी की तुअर दाल, खनिजों यदि हीरे और चूने को अलग कर दें तो भी केवल पत्थर के सत्तर से अधिक प्रकार उत्खनित होते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने इन विधाओं की ओर भी निवेशकों को आकर्षित किया है। इस समिट में मिलेट्स और जैविक कृषि के क्षेत्र एवं इससे आधारित टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर में रिकॉर्ड निवेश आया है। पीथमपुर को भारत का डिफेंस और ऑटोमोबाइल हब बनाने की योजना है। मध्यप्रदेश को कॉटन कैपिटल ऑफ इंडिया का दर्जा मिला है । चंदेरी और माहेश्वरी साडिय़ों को जीआई टैग मिला है, इससे इनके निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।मध्यप्रदेश के औद्योगीकरण केलिये सरकार ने मेट्रोपॉलिटन कॉन्सेप्ट के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न अंचलों में आसपास के जिलों को जोडक़र एक औद्योगिक कॉरीडोर बनाने का भी निर्णय लिया है। इसमें मालवा अंचल में इंदौर, उज्जै, देवास, शाजापुर और पीथमपुर (धार) को जोडक़र एक इंडस्ट्रियल सेंटर बनाने की दिशा में काम करना आरंभ कर दिया है। राजधानी भोपाल से विदिशा, रायसेन, सीहोर और नर्मदापुरम को जोडक़र एक कॉरीडोर बनाने की योजना पर काम आरंभ हो गया है। इसी प्रकार मध्यभारत, बुन्देलखण्ड, महाकौशल और विन्ध्य क्षेत्र में भी ऐसे इंडस्ट्रियल कॉरीडोर विकसित किये जायेगें। इनमें सडक़ और रेल परिवहन, बिजली, पानी, सीवर लाइन और औद्योगिक क्षेत्र में कॉलोनी जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। ऐसे क्षेत्रों को मेट्रोपॉलिटन के रूप में विकसित करने केलिये आगामी 25 वर्षों की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखकर योजना बनाई जा रही है।

देश भर में मिलावट खोरी का माफिया पैदा हो गया

हिमानी रावत

भारत में मिलावट खोरी रोकने का कोई मजबूत सिस्टम विकसित नहीं हो पाया है। इस वजह से मिलावट खोरी का एक माफिया पैदा हो गया है जो सभी तरह के खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों में मिलावट करता है। जिला प्रशासन के पास मिलावट खोरी रोकने के अधिकार हैं लेकिन पर्याप्त स्टाफ नहीं होने से मिलावट खोरी पर बिल्कुल भी अंकुश नहीं है। मिलावट खोरी की वजह से हमारा निर्यात प्रभावित हो रहा है और देश की प्रतिष्ठा को भी क्षति पहुंच रही है। हाल ही में भारत में मसाला बनाने वाले दो ब्रांडों के मसालों को हांगकांग और सिंगापुर में प्रतिबंधित कर दिया गया। विदेशों में की गई इस कार्रवाई के बाद भारत सरकार की भी नींद खुली। केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों की जांच करने की आदेश दिए हैं। दरअसल, यह पहला अवसर नहीं है जब खाने पीने के भारतीय ब्रांड पर अन्य देशों के नियामकीय प्राधिकरण ने सवाल उठाए। गत वर्ष भी अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने साल्मोनेला बैक्टीरिया पाए जाने के बाद एक भारतीय कम्पनी को उसके खाद्य उत्पादों को वापस लेने को कहा था। अब भारत के दो लोकप्रिय मसाला ब्रांडों में कैंसर कारक कीटनाशक पाए जाने को लेकर इन दिनों विदेशों में जो बवाल मचा है वह भारत के खाद्य एवं औषधि नियमन के कमजोर मानकों की समस्या को एक बार फिर उभारकर सामने लाता है। इस सप्ताह के आरंभ में अच्छी खासी भारतीय आबादी वाले हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में एमडीएच और एवरेस्ट ब्रांड के मसालों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह प्रतिबंध तब लगा जब हॉन्गकॉन्ग के सेंटर फॉर फूड सेफ्टी ने एक रिपोर्ट में कहा कि एमडीएच के तीन और एवरेस्ट के एक मसाले में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पाई गई है। यह तथ्य एक सामान्य जांच में सामने आया।

सर्व विदित है कि भारत दुनिया में मसालों का सबसे बड़ा निर्यातक है और ऐसे में वाणिज्य मंत्रालय ने इस खबर के सार्वजनिक होने के बाद सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से विस्तृत रिपोर्ट मंगवाई है और एक निर्यातक केंद्र में जांच शुरू की है। इसके साथ ही मसाला बोर्ड ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग को भेजे जाने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड के अवशेषों की अनिवार्य जांच की व्यवस्था की है। यह आम चलन होता जा रहा है।

ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्ड कार्ड ने पूरी दुनिया को चकमका दिया है। ट्रंप जो कहते हैं वह हमेशा कर भी दें इसकी कोई गारंटी नहीं है। और इसकी भी कोई गारंटी नहीं की जो वह करना चाहते हैं उसे सचमुच कर पाएं, मगर इतना तय है कि उन्होंने पदभार संभालते ही जिस तरह का धूम–धड़ाका किया है उसने कई देशों की नींद उड़ा दी है। कई देशों को चिंता में डाल दिया है तो कई देशों को अपनी अमेरिकी नीति पर पुनर्विचार करने पर बाध्य कर दिया है। भारत भी ट्रंप की घोषणाओं और उसके क्रियान्वयन से अछूता नहीं है। अवैध प्रवासियों की अपमानजनक वापसी की धमक भारत झेल ही रहा था कि अब उसे गोल्ड कार्ड भी परेशानी में डाल रहा है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना वास्तव में क्या है किसी के समझ में नहीं आई है। इस योजना के मुताबिक 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रु पये देकर कोई भी विदेशी नागरिक अमेरिका में बस सकता है और तीव्र गति से अस्थाई नागरिकता प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो सकता है। पहली बात तो यह है कि लोग धन कमाने के लिए लोग धन कमाने के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, अपना धन लेकर अमेरिका में बसना नहीं। यहां ट्रंप अमेरिका को एक बिकाऊ माल की तरह बेचना चाहते हैं जैसे कोई अच्छी जमीन बेची जाती है। यानी ट्रंप अमेरिका को ऐसे स्वर्ग के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जहां किसी भी देश का कोई व्यक्ति 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर बसना चाहेगा। क्या सचमुच अमेरिका ऐसा स्वर्ग है? अगर भारत की बात करें तो यहां बहुत बड़ी संख्या धनपतियों की है जिन्होंने अनेकानेक गैर कानूनी तरीकों से धनी इक़ा किया है और वह इसकी सुरक्षा चाहते हैं। ऐसे लोग भारत में सीधे राजनेताओं या राजनीतिक दलों को अपनी सुरक्षा के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। चुनावी चंदे में इस तरह के कई मामले उजागर हुए थे।

सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीन जारी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना ने सिकंदर के पहले गाने जोहरा जबीं में अपनी सिजलिंग केमिस्ट्री से स्क्रीन पर आग लगा दी है. रिलीज हुए सिकंदर के पहले गाने ने ही फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा बटोरी है. इसकी हाई–एनर्जी बीट्स और सलमान रश्मिका के किलर मूव्स जबरदस्त लग रहे हैं. जोहरा जबीं सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर सिकंदर का पहला गाना है. गाने में रश्मिका और सलमान की केमिस्ट्री ने स्टेज पर आग लगा दी. इस गाने को नकाश अजीज और देव नेगी ने अपनी आवाज दी है. वहीं गाने का रैप वाला पार्ट मेलो डी लिखा और गाया है. इस गाने में प्रीतम ने अपने म्यूजिक से जादू बिखेर दिया है. सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीं फैंस को काफी पसंद आ रहा है और जल्द ही यह ट्रेंडिंग करेगा. गाने पर एक यूजर ने लिखा, जबरदस्त मजा आ गया. आखिरकार गाना रिलीज हो गया. एक ने लिखा, सलमान और रश्मिका की केमिस्ट्री ने स्टेज पर आग लगा दी है. एक ने लिखा, मां कसम क्या गाना है.

सिकंदर का टीजर लोगों को खूब पसंद आया है, टीजर में भाईजान फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं. वहीं उनकी और रश्मिका की जोड़ी एकदम रिफ्रेशिंग लग रही है. टीजर की शुरूआत सलमान के डायलॉग से होती है, दादी ने मेरा नाम सिकंदर रखा था, दादा ने सिकंदर और प्रजा ने राजा साहब. जिसके बाद एक जोर का धमाका होता है और बैकग्राउंड में से आवाज आती है, अपने आप को बड़ा सिकंदर समझता है, इंसाफ दिलाएगा तू. इस पर सलमान जवाब देते हैं, इंसाफ नहीं साफ करने आया हूं.

बॉक्स ऑफिस पर नहीं थम रहा छावा का तूफान, 18वें दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

विक्की कौशल की हिस्टोरिकल पीरियड ड्रामा फिल्म छावा अब तेलुगू भाषा में भी रिलीज होने को तैयार है. बीते दिन छावा का तेलुगू ट्रेलर रिलीज हुआ है. छावा के मेकर्स ने तेलुगू सिनेलवर्स की डिमांड पर यह फैसला लिया है. छावा हिंदी सिनेमा में छा गई है. बीती 14 फरवरी को रिलीज हुई फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर अपने शानदार 18 दिन पूरे कर लिए हैं. छावा ने अपने तीसरे सोमवार बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया है और फिल्म का कुल कलेक्शन कितना हो गया है. आइए जानते हैं. छावा भारत में 500 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है और छावा के पास इस हफ्ते भी कमाने का बड़ा मौका है. सैकनिल्क के अनुसार छावा की कमाई में 18वें 65.98 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज हुई है. फिल्म छावा ने जहां 17वें दिन (रविवार) 24.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. वहीं, 18वें दिन यानि तीसरे सोमवार 8.25 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ छावा का भारत में कुल कलेक्शन 467.15 (अनुमानित) करोड़ रुपये हो गया है. छावा के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करतें यह 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो चुका है.

चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल से नाखुश दिखे डेविड मिलर

नईदिल्ली, दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 50 रन से हार का सामना करना पड़ा।

लाहौर में खेले गए मैच में जीत के लिए मिले 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रोटियाज टीम 312/9 रन ही बना सकी थी।इस हार के बाद टीम के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने सेमीफाइनल के शेड्यूल को लेकर के अपनी नाराजगी जाहिर की है।

दरअसल, चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड कार्यक्रम के बीच ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों टीमों को भारत के खिलाफ संभावित सेमीफाइनल मुकाबले की तैयारी के लिए ग्रुप चरण के बाद पाकिस्तान से दुबई की यात्रा करनी पड़ी थी।ऑस्ट्रेलिया ने अपना सेमीफाइनल दुबई में खेला जबकि दक्षिण अफ्रीका को अपने सेमीफाइनल के लिए फिर लाहौर लौटना पड़ा था। मिलर ने इसको लेकर कहा, यह केवल 1 घंटे और 40 मिनट की उड़ान है, लेकिन हमें ऐसा करना पड़ा। मिलर ने आगे कहा, सुबह का समय था, खेल के बाद हमें उड़ान भरनी थी। फिर हम शाम 4:00 बजे दुबई पहुंचे।

सुबह 7.30 बजे हमें वापस आना था। ऐसा नहीं है कि हमने 5 घंटे उड़ान भरी और हमारे पास ठीक होने और स्वस्थ होने के लिए पर्याप्त समय था, लेकिन फिर भी यह आदर्श स्थिति नहीं थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम रविवार दोपहर कराची से दुबई के लिए रवाना हुई और सोमवार को लाहौर वापस आ गई थी।

बॉक्स ऑफिस पर सोहम शाह की फिल्म क्रेज़ी का हाल–बेहाल

अभिनेता सोहम शाह की फिल्म क्रेज़ी को 28 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की हालत पस्त है। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह कुछ खास कमाल दिखा सकी। महज 4 दिन में फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है। अब क्रेज़ी की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रेज़ी ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 4.50 करोड़ रुपये हो गया है। बता दें कि क्रेज़ी ने 1 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह 1.35 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इस फिल्म ने 1.4 करोड़ रुपये कमाए थे। क्रेज़ी में सोहम एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी बेटी के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। उनके किरदार का नाम अभिमन्यु सूद है और उसकी बेटी का अपहरण हो जाता है।

मोहम्मद शमी के रोजा न रखने पर मुस्लिम जमात नाराज, बड़ा अपराध बताया

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान एनर्जी ड्रिंक पीने से विवादों में घिर गए हैं। मुस्लिम समाज उनके रोजा न रखने पर नाराज है। उत्तर प्रदेश में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि रोजा अनिवार्य कर्तव्यों में से एक है। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोजा नही रखता है, तो वह बड़ा अपराधी है। रजवी बरेलवी ने आगे कहा, भारत के मशहूर क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद शमी ने मैच के दौरान पानी या कोई और पेय पदार्थ पीया है। लोग उन्हें देख रहे थे। अगर वह खेल रहे हैं, तो वह स्वस्थ हैं। ऐसे में उन्होंने रोजा नहीं रखा और पानी भी पी लिया, इससे लोगों में गलत संदेश गया। रोजा न रखकर उन्होंने गुनाह किया। उन्हें ऐसा नही करना चाहिए। शरीयत की नजर में वह अपराधी हैं। उन्हें खुदा को जवाब देना होगा।

स्मिथ के वनडे संन्यास पर बोले धवन: आप एक कट्टर प्रतिस्पर्धी और अविश्वसनीय लीडर रहे हैं

नई दिल्ली, भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने स्टीव स्मिथ को उनके शानदार वनडे करियर के लिए बधाई दी और उन्हें एक कट्टर प्रतिस्पर्धी और एक अविश्वसनीय लीडर बताया।

स्मिथ, जो पैट कमिंस की अनुपस्थिति में चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टैंड–इन कप्तान थे, ने मंगलवार को दुबई में आठ टीमों की प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट और टी20 प्रारूप खेलना जारी रखेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका सामना 9 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। धवन ने एक्स पर लिखा, आपने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए बधाई स्टीव स्मिथ , आप खेल में एक कट्टर प्रतियोगी और एक अविश्वसनीय लीडर रहे हैं। आपकी अगली यात्रा भी उतनी ही संतोषजनक हो। स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 170 वनडे खेले, जिसमें उन्होंने 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने गेंद से भी योगदान दिया और 28 विकेट लिए। यह बल्लेबाज 2015 और 2023 में ऑस्ट्रेलिया की वनडे विश्व कप विजेता टीमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से एक बयान में स्मिथ ने कहा, यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने इसके हर मिनट का आनंद लिया है।

एक नजर

श्रीनगर में मरीजों को मिलेगी जन औषधि केंद्र की सुविधा

श्रीनगर गढ़वाल : संयुक्त उप जिला चिकित्सालय में जल्द ही मरीजों को जन औषधि केंद्र की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। औषधी केंद्र निर्माण के लिए इन दिनों अस्पताल प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। लंबे समय से अस्पताल में जन औषधि केंद्र खोले जाने की स्थानीय लोगों द्वारा मांग की जा रही थी। संयुक्त उप जिला अस्पताल श्रीनगर में नगर क्षेत्र के अलावा टिहरी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिले से भी बड़ी संख्या में इलाज कराने के लिए मरीज पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल में खुला जन औषधि केंद्र मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा था, लेकिन कोविड से पूर्व अस्पताल के रेलवे द्वारा निर्मित नए भवन में शिफ्ट होने के बाद से जन औषधि केंद्र बंद चल रहा है। विगत पांच सालों से जन औषधि केंद्र बंद पड़ा हुआ है। ऐसे में मरीजों को मजबूरी में बाहर से ब्रांडेड कंपनियों की दवाइयां महंगे दामों पर खरीदनी पड़ रही है। अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी विमल गुसांई ने बताया कि अस्पताल में जन औषधि केंद्र निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर लिया है। इमरजेंसी के समीप जन औषधि केंद्र खोलने को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। यहां जमा स्क्रैब को निस्तारित किया जा रहा है। सप्ताह भर के अंदर जन औषधि केंद्र के तैयार होने की संभावना है। जिसका लाभ संयुक्त उप जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को मिल सकेगा। (एजेंसी)

बदल रहा मौसम, खांसी, जुकाम से बच्चे पीड़ित

श्रीनगर गढ़वाल : बदलते मौसम के कारण इन दिनों संयुक्त उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर के बाल रोग विभाग में रोजाना 80 से अधिक बच्चे जांच के लिये पहुंच रहे हैं। इनमें से अधिकतर बच्चे खांसी, जुकाम, दस्त जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं, जबकि कुछ बच्चों में टाइफाइड की शिकायत भी मिल रही है। चिकित्सकों ने बच्चों के खान-पान, समय पर टीकाकरण कराने के साथ बदलते मौसम में खास ख्याल रखने की बात कही है। सुबह शाम ठंड व दिन में गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है। खासकर 2 से 10 साल के बच्चों में खांसी, जुकाम और दस्त के लक्षण ज्यादा देखे जा रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेरणा पंवार ने बताया कि अस्पताल में 70 से 85 तक की ओपीडी प्रतिदिन है। बच्चों में खांसी, जुकाम की शिकायत लेकर अभिभावक पहुंच रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ बच्चों में टाइफाइड के लक्षण भी देखने को मिल रहे हैं। डा. प्रेरणा पंवार ने बताया कि 1 से 5 साल तक के बच्चों को फ्लू वैक्सीन लगवाना बेहद जरूरी है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए बच्चों को पौष्टिक आहार और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिये। कहा कि अशुद्ध पानी पीने और जंक फूड खाने से बच्चों में टाइफाइड और पेट के संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने परिजनों से बच्चों को फिल्टर या उबला हुआ पानी ही पिलाने की बात कही। (एजेंसी)

फिर लगेगा पासपोर्ट कैंप, जन जन को मिलेगी सुविधा

रुद्रप्रयाग। जनपद के लोगों को पासपोर्ट बनाने में आसानी हो इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशों पर पासपोर्ट कैंप लगाए जा रहे हैं, जिसमें जन जन को सुविधा मिल रही है। लोगों ने जिलाधिकारी की इस पहल का स्वागत किया है। जनपद में पासपोर्ट सेवाओं को सुगम बनाने की दिशा में प्रशासन जन हित में बेहतर कार्य कर रहा है। पासपोर्ट मोबाइल वैन सेवा के माध्यम से लोग पासपोर्ट बना रहे हैं। विदेश मंत्रालय के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, देहरादून के निर्देशों पर 19, 20 एवं 21 मार्च को अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा भवन मैदान में पासपोर्ट बनाने की सेवा मुहैया कराई जाएगी। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि पूर्व में भी इस तरह का कैंप रुद्रप्रयाग गुलाबराय मैदान में आयोजित किया गया था, जिससे काफी लोगों को सुविधा मिली। इस कैंप की सफलता को देखते हुए एक बार फिर मोबाइल वैन कैंप लगाया जाएगा। इस कैंप के सफल संचालन के लिए जिला पर्यटन अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। आयोजन के दौरान नागरिकों को पासपोर्ट आवेदन, नवीनीकरण एवं अन्य संबंधित सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

नई टिहरी। चंबा और थौलधार ब्लॉक के 10–10 मिलाकर कुल 20 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) को आईसीएमआर (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) की पहल पर उनके क्षमता विकास के लिए चंबा के मसीह अस्पताल में छह दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। इस दौरान इस कार्मिकों को प्राथमिक उपचार सहित स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार के दौरान किए जाने वाले उपायों की जानकारी दी जाएगी। गुरुवार को नगर पालिकाध्यक्ष शोभनी धनोला ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सरकार हेल्थ सिस्टम को बेहतर करने के लिए कार्य कर रही है।

शहर में लगातार बढ़ती जा रही निराश्रित गोवंशों की संख्या

कोटद्वार की सड़कों पर घूमते गोवंश

काशीरामपुर तल्ला खोह नदी के तट पर बननी है नंदीशाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रही निराश्रित गोवंशों की संख्या आमजन के लिए मुसीबत बनती जा रही है। लेकिन, सरकारी सिस्टम इस समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। हालत यह है कि काशीरामपुर तल्ला खोह नदी के तट पर प्रस्तावित नंदीशाला निर्माण का भी कार्य पिछले कई माह से अधर में लटका हुआ है। ऐसे में यातायात के साथ ही राहगीरों के लिए चुनौती बन रहे निराश्रित गोवंशों से कब निजात मिलेगी यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

शहर में शायद ही कोई ऐसी सड़क होगी जहां आपकों निराश्रित गोवंशों का झुंड बैठा हुआ नजर न आए। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य मार्गों पर घूमते यह गोवंश जहां यातायात में बाधा बन रहे हैं। वहीं, राहगीरों पर हमला कर उन्हें चोटिल भी कर रहे हैं। कुछ सप्ताह पूर्व काशीरामपुर निवासी एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। हमले में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं, झंडाचौक के समीप गोवंश एक दुकान के भीतर घुस गया था। दुकान में बैठे व्यापारी ने भागकर अपनी जान बचाई। कई बार निराश्रित गोवंश सड़क पर ही लड़ने लगता हैं। ऐसे में सबसे अधिक खतरा बुजुर्ग व स्कूली बच्चों को बना रहता है। लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं के बाद भी सरकारी सिस्टम निराश्रित गोवंश के संरक्षण को लेकर लापरवाह बना हुआ है। कुछ माह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक निधि से काशीरामपुर तल्ला में नंदीशाला बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए बकायदा उन्होंने बीस लाख रुपये की धनराशि भी स्वीकृत की। लेकिन, पिछले छः माह से नंदीशाला निर्माण का कार्य अधर में लटका हुआ है। जबकि, स्थानीय जनता लगातार निराश्रित गोवंश से निजात की मांग उठा रही है।

फसल कर रहे चट

सड़क पर घूम रहे निराश्रित गोवंश आमजन के साथ ही काश्तकारों के लिए भी मुसीबत बनते जा रहे हैं। दिन भर गलियों व सड़कों पर घूमने वाले गोवंश रात के अंधेरे में काश्तकारों के खेतों में घुसकर उनकी फसल चट कर जाते हैं। ऐसे में काश्तकारों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है।

संत निरंकारी मंडल ने मरीजों को बांटे फल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मानवता की सेवा व परोपकार के लिए समर्पित संत निरंकारी मंडल ने राजकीय बेस हास्पिटल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए। संत मिशन के पदाधिकारियों ने वार्डों में भर्ती मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। ब्रांच प्रतिनिधि वीरेंद्र स्मोला के नेतृत्व में संत निरंकारी मंडल के सदस्य बेस हास्पिटल में एकत्र हुए, जहां पर उन्होंने बेस हास्पिटल के प्रत्येक वार्ड में जाकर भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। ब्रांच के मीडिया प्रभारी आशीष कर्णवाल ने कहा कि संत निरंकारी मिशन की तरफ समाज हित में लगातार कार्य किया जा रहा है। संत निरंकारी मिशन की तरफ से कोटद्वार के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। कहा कि समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते है। कहा कि समाज सेवा के कार्य संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तहत संपन्न करवाए जाते है। इस मौके पर राजकुमार, पातीराम, निश, कमला, रजनी खरबंदा मौजूद रहे।

अंजान व्यक्ति को न दे बैंक से संबंधित जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली पुलिस ने हिमालय गढ़वाल विश्वविद्यालय पोखड़ा के विद्यार्थियों को साइबर के साथ ही नशे के प्रति जागरूक किया। कहा कि विद्यार्थियों को सोच समझकर इंटरनेट का उपयोग करना चाहिए। एक छोटी की लापरवाही आपको भारी नुकसान पहुंचा सकती है। थानाध्यक्ष सतपुली दीपक तिवाड़ी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस ने बताया कि वर्तमान में साइबर अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है। साइबर अपराधी तरह-तरह के हथकंडे अपना कर आमजन को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में हमें जागरूक होना होगा। किसी भी अनजान वेबसाइट पर क्लिक न करें। साथ ही फोन पर किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक से संबंधित जानकारी न दें। अपने मोबाइल फोन में आने वाले ओटीपी को भी किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत पुलिस या संबंधित बैंक से संपर्क करें। कार्यशाला में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति भी जागरूक किया गया। कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। हम सभी को एकजुट होकर इसके खिलाफ कार्य करना चाहिए। कार्यशाला में यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाने का संकल्प लिया।

बुजुर्ग पर मधुमक्खियों ने किया हमला, घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत लालपानी निवासी एक बुजुर्ग पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। लालपानी निवासी पंचम सिंह (73) मुख्य सड़क से अपनी घर की तरफ जा रहे थे। तभी मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। आनन-फानन में आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों ने पंचम सिंह पर कंबल डाला। जबकि कुछ ने धुआं कर मधुमक्खियों को दूर किया। आकस्मिक चिकित्सा वाहन 108 के माध्यम से उन्हें राजकीय बेस हास्पिटल में लाकर भर्ती किया गया है।

स्वच्छ और कुशल बायोमास कुकिंग स्टोव विकसित करने की जरूरत

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने ग्रामीण भारत के लिए एक स्वच्छ और कुशल बायोमास कुकिंग स्टोव विकसित किया है। यह स्टोव गैसीफिकेशन प्रक्रिया और पोरस रेडियंट बर्नर तकनीक पर आधारित है, जो खाना पकाने के लिए बायोमास ईंधन का उपयोग करता है। इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे डॉ. नीरज कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि इसे विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी) की कोर रिसर्च ग्रांट योजना के तहत वर्ष 2022 में तीन वर्षों के लिए स्वीकृति मिली थी और यह मार्च 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। उत्तराखंड के जंगलों में हर वर्ष वनाग्नि की घटनाएं बड़े पैमाने पर बायोमास अपशिष्ट उत्पन्न करती हैं। यह परियोजना ऐसे कचरे का सतत ऊर्जा स्त्रोत के रूप में उपयोग करके पर्यावरणीय नुकसान को कम करने और इसे रसोई की ऊर्जा जरूरतों के लिए कारगर विकल्प में बदलने का प्रयास कर रही है। परियोजना के तहत दो अलग-अलग प्रकार के बायोमास कुकिंग स्टोव मॉडल विकसित किए गए हैं। इन्हें थर्मल दक्षता को अधिकतम करने और उत्सर्जन को कम करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। यह न केवल स्वस्थ और स्वच्छ खाना पकाने के लिए उपयुक्त है, बल्कि यह सरकार के सतत ऊर्जा समाधान और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के भी अनुरूप है। संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रो. के. के. शुक्ल ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा, ऐसे नवाचार ग्रामीण ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ वनाग्नि प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक सिद्ध होगा। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी की बढ़ती कीमतों और उपलब्धता की समस्या को ध्यान में रखते हुए इस स्टोव का विकास किया गया है।

नाबालिग बरामद, आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : धुमाकोट थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दो नाबालिग बहनों को घर से भगाने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दो मार्च को नाबालिग के स्वजनों की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनकी दो बेटियां घर से घूमने के लिए निकली थी। लेकिन, अब तक वापस लौटकर नहीं आई। आसपास पूछताछ करने पर भी उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए गुमशुदगी दर्ज कर नाबालिगों की तलाश शुरू कर दी थी। आसपास पूछताछ करने से मालूम हुआ कि उत्तर प्रदेश बिजनौर थाना रेहड़ ग्राम देहलावाला निवासी दीपराज नाबालिगों को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए उसके गांव में दबिश दी और नाबालिगों को सकुशल बरामद किया। पुलिस ने बताया कि आरोपित के खिलाफ पोक्सो के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

असामाजिक तत्वों ने तोड़ी वाटर कूलर की टोंटी

कोटद्वार के झंडाचौक के समीप वाटर कूलर की टोंटी टूटने से बहता पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी के मौसम में लोगों की प्यास बुझाने के लिए लगाए गए वाटर कूलरों को असामाजिक तत्व नुकसान पहुंचा रहे हैं। हालत यह है कि झंडाचौक के समीप लगे वाटर कूलर की टोंटी को असामाजिक तत्वों ने धखाड़ दिया है। नतीजा, पूरे दिन सड़क पर पानी बह रहा है। ऐसे में गर्मी के मौसम में लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

एक वर्ष पूर्व नगर निगम की ओर से शहर के मुख्य चौराहों पर वाटर कूलर लगाए गए थे। इससे राह चलते लोगों को काफी सुविधा मिली। भीषण गर्मी में उन्हें ठंडा पानी पीने को मिल जाता था। राह चलते लोगों के साथ ही व्यापारी वाटर कूलर के पानी का उपयोग करते है। लेकिन, झंडाचौक के समीप लगे वाटर कूलर की असामाजिक तत्वों ने सूरत ही बिगाड़ दी है। वाटर कूलर पर लगी टोंटी को तोड़ दिया गया है। जबकि, वाटर कूलर की सुरक्षा के लिए उसके आसपास लोहे की जाली भी लगाई गई थी। बावजूद असामाजिक तत्वों ने वाटर कूलर को नुकसान पहुंचा दिया। सबसे बुरी स्थिति झंडाचौक के समीप लगे वाटर कूलर की बनी हुई है।

पैसों का लालच, उड़ गई धनराशि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत सनेह क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति को लाभ का लालच दिखाकर साइबर ठगों ने लाखों का चूना लगा दिया।

कोतवाली में दी गई तहरीर में सनेह क्षेत्र निवासी नरेश ने बताया कि उन्होंने लाखों की धनराशि एक फंड में जमा करवाई। संचालकों द्वारा उन्हें अच्छे लाभ का आश्वासन दिया गया। बताया कि दो माह तक उन्हें जमा कवाई गई धनराशि में लाभ मिला। लेकिन, बाद में यह लाभ मिलना बंद हो गया। संचालकों ने एक नया फंड खोला व उसमें भी उन्हें कुछ लाभ मिला। लेकिन, बाद में यह लाभ मिलना भी बंद हो गया। उनके द्वारा जब संचालकों से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो संचालकों द्वारा फोन भी नहीं उठाया गया। बताया कि फंड के मुख्य डायरेक्टर राजस्थान निवासी दिनेश कुमार और सहयोगी मध्य प्रदेश निवासी कुलदीप हैं। पुलिस ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर दिनेश व कुलदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है।

प्रकृति से मानव जीवन का एक अटूट संबंध : किरन बिष्ट

वर्कशाप का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि बर्ड फोटोग्राफर श्रीमती किरन बिष्ट।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गुरूवार को डॉ. पीतांबर दत्त बर्थवाल हिमालय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के बीजेएमसी विभाग के द्वारा बर्ड फोटोग्राफी पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रकृति प्रेमी एवं बर्ड फोटोग्राफर श्रीमती किरन बिष्ट ने छात्रों को बर्ड फोटोग्राफी करियर से जुड़े अनुभवों को बताते हुए कहा कि प्रकृति से मानव जीवन का एक अटूट संबंध हैं। तमाम पशु-पक्षी, वनस्पति, पेड़-पौधे के बिना प्रकृति की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह सब प्रकृति को जीवित रखने के लिए अपरिहार्य हैं। उन्होंने अपने वन्य जीव फोटोग्राफी से जुड़े रोचक किस्से छात्रों के साथ साझा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में करियर के विभिन्न आयाम भी हैं। वह आज तक अपने कमरे में लगभग 500 पक्षियों को कैद कर चुकी हैं, जिनमें से कुछ तस्वीरें उन्होंने छात्रों के साथ साझा की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने वन्यजीव फोटोग्राफी के सिद्धांतों के महत्व को बताते हुए कहा कि सभी छात्र वन्यजीव फोटोग्राफी में अपने करियर की शुरुआत करके स्वर्णिम भविष्य विकसित कर सकते हैं। वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो. बसंतिका कश्यप ने कहा कि यह कार्यक्रम जंतु विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए भी प्रेरणादायक हो सकता है। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. प्रीति रानी ने कहा कि प्रकृति हमें बहुत कुछ देती है और उसको संजोकर रखने में पशु-पक्षियों का योगदान भी बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस तरह के कार्यक्रम हमें पक्षियों के संरक्षण हेतु प्रेरित करते हैं। इस मौके पर डॉ. अजीत सिंह, डॉ. अंशिका बंसल, असिस्टेंट प्रो. डॉ. ऐश्वर्या राणा, मानसी गौड़, कोमल काला, सुहानी बिष्ट, नीरज रावत, नितिन देवरानी, सौरभ खत्री, दीपक बलूनी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन तनुजा केष्टवाल ने किया।

सड़क दुर्घटना में घायल स्कूटी सवार के लिए खाकी बनी देवदूत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सड़क दुर्घटना में घायल स्कूटी सवार के लिए खाकी देवदूत बनी। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लैंसडाउन ने सरकारी वाहन और आपातकालीन सेवा वाहन के माध्यम से राजकीय बेस अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल का उपचार चल रहा है। गुरूवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लैंसडाउन मौ. अकरम अपने सरकारी वाहन से वीआईपी ड्यूटी हेतु कोटद्वार जा रहे थे। दुगड्डा से आगे आमसौड़ के पास सड़क दुर्घटना के कारण एक स्कूटी सवार व्यक्ति सड़क पर घायल होकर बेहोश पड़ा हुआ था। घायल व्यक्ति के सिर, चेहरे और मुंह से खून बह रहा था। आस-पास काफी व्यक्ति मौजूद थे, लेकिन किसी के द्वारा घायल व्यक्ति की मदद नहीं की जा रही थी। सभी लोग 108 एम्बुलेंस के आने का इंतजार कर रहे थे। प्रभारी निरीक्षक लैंसडाउन द्वारा बिना समय गवाएं घायल व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत घायल व्यक्ति को अपने थाने की सरकारी गाड़ी में लेटाकर कोटद्वार अस्पताल हेतु लाया गया। लगभग 5 किमी. की दूरी तय करने के पश्चात रास्ते में 108 एंबुलेंस मिलने के पश्चात घायल व्यक्ति को एम्बुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु कोटद्वार अस्पताल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक लैंसडाउन व पुलिस कर्मियों के द्वारा घायल व्यक्ति की मदद कर अस्पताल पहुंचाने हेतु की गयी त्वरित कार्यवाही की आमजन द्वारा प्रसंशा की गयी।

महिला दिवस पर होगी वाक रेस

श्रीनगर गढ़वाल : खेल विभाग पौड़ी की ओर से वाक रेस प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 9 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले टॉप दस को पुरस्कृत किया जाएगा। एथलेटिक्स विकास शाह ने बताया कि प्रतियोगिता श्रीकोट स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। कहा कि वॉक रेस पहली बार श्रीनगर में खेल विभाग पौड़ी के द्वारा आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में खेल क्रीड़ा अधिकारी संदीप डुकलान मौजूद रहेंगे। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में नाम भूलवश वेदान्श लिखा गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही नाम राघव सोडियाल है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में सही नाम राघव सोडियाल लिखा जाये।

शुभम कुमार पुत्र स्व0 बादाम सिंह निवासी निकट रेलवे कॉलोनी, कौड़िया कैम्प, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0781/21)

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री प्रेरणा की जन्मतिथि 10-07-2004 है। मेरी पुत्री 18 फरवरी 2025 को कुछ बताएं बगैर कही चली गयी है और अभी तक वापस नहीं लौटी है। मेरी पहले भी कई बार घर पर कुछ बताएं बिना गायब रहती है और अपनी मर्जी से बाहर रहती है तथा समझाने की कोशिश करने पर वह अपना आपा खो देती है। मुझे आशंका है कि मेरी पुत्री गलत संगत में पड़कर रास्ता भटक चुकी है, मुझे उसके किसी भी कृत्य या लेन-देन के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं अपनी पुत्री प्रेरणा से सम्बन्ध विच्छेद कर उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं और यदि मेरी पुत्री द्वारा भविष्य में कोई भी गैर कानूनी/अविधिक कार्य किया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी पुत्री प्रेरणा की होगी।

सुरेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद निवासी शिवपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0782/21)

छात्राओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी बीमा सखी योजना

बीमा सखी योजना का लाभ उठाने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुरूवार को डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में एलआईसी की बीमा सखी महिला कैरियर एजेंट योजना विषय पर छात्राओं को जानकारी प्रदान करने के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। बीमा सखी योजना 18 से 70 साल की महिलाओं के लिए है, इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

इस मौके पर सुमित कुमार सहायक शाखा प्रबंधक ने छात्राओं को संबोधित कर बीमा सखी योजना के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना को 9 दिसंबर 2024 को प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य 2 लाख बीमा सखी द्वारा छात्राओं और महिलाओं को पढ़ाई और घर के साथ सामंजस्य बनाते हुए आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्य वक्ता एनएस कुटियाल शाखा प्रबंधक ने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ धनोपार्जन के अवसर प्रदान करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस योजना का लाभ उठाना चाहिए, क्योंकि इस बीमा सखी योजना द्वारा ना केवल मासिक आय मिलेगी अपितु प्रयासों द्वारा आय को बढ़ाने का भी अवसर मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य उनको लाभान्वित करना है, ताकि वह पढ़ाई के साथ-साथ परिवार की आय में भी योगदान कर सकें। उन्होंने छात्राओं को इस योजना से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सुमित कुमार सहायक शाखा प्रबंधक, विनीत चौहान, अभिनव पांडे विकास अधिकारी सहित डॉ. ऋचा जैन, डॉ. वसंतिका कश्यप, डॉ. आशा देवी, डॉ. नंदी गड़िया, डॉ. रंजना सिंह, डॉ. मुकेश रावत, डॉ. सूर्य मोहन, श्रीमती अंजलि, कुमारी निखत अंसारी, कुमारी मिलन, विमल त्यागी, आशीष चार्ल्स, डॉ. सुशील बहुगुणा, डॉ. संजय मदान, डॉ. संतोष कुमार गुप्ता, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. डीके मौर्य, डॉ. धर्म वीर सिंह, डॉ. सुरभि मिश्रा, डॉ. चंद्र प्रभा भारती, डॉ. प्रियम अग्रवाल, डॉ. रश्मि बहुखंडी, श्रीमती वंदना आदि उपस्थित मौजूद रहे।

यूपीएस का कर्मचारियों ने किया जोरदार विरोध

रुद्रप्रयाग। जिले में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने मुख्यालय में यूनिफाइड पेंशन स्कीम यूपीएस का विरोध किया। सभी कार्मिकों ने एक स्वर में कहा कि ओपीएस बहाली के सिवा कोई भी पेंशन स्कीम को संयुक्त मोर्चा स्वीकार नहीं करेगा। कर्मचारियों ने यूपीएस के विरोध में नारे लगाए और प्रदर्शन किया।

यहां आयोजित सभा में प्रांतीय प्रवक्ता शंकर भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में यूपीएस लागू करना दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है। उन्होंने कहा कि आगामी 23 मार्च को नोप्रुफ द्वारा दिल्ली जंतर मंतर पर यूपीएस का विरोध किया जाएगा, जिसमें प्रदेश से बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल होंगे। प्रांतीय कोषाध्यक्ष रणवीर सिंधवाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली तक संयुक्त मोर्चा लगातार संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि आगामी 23 मार्च को अधिक से अधिक से संख्या में दिल्ली जंतर मंतर पर पहुंच कर यूपीएस जैसी गुमराह करने वाली स्कीम का विरोध करें।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद भट्ट ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए उत्तराखंड में ठीक वैसा ही आंदोलन होगा, जैसा पृथक राज्य उत्तराखंड के लिए हुआ था। चूंकि लोकतंत्र में कर्मचारियों की आवाज को दिन प्रतिदिन दबाया जा रहा है, जिससे समस्त कर्मचारी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। जखोली के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण घिघड़ियाल ने सभी कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि अपने सुखद भविष्य और सुरक्षित बुढ़ापे के लिए सभी विभागों के कर्मचारी एक मंच पर आकर यूपीएस और एपीएस का विरोध करें। अपनी ताकत और उपस्थिति से सरकार को जगाने में साथ दें। विरोध प्रदर्शन करने वालों में हरिवल्लभ डिमरी, पवन नौटियाल, राम सिंह कैंतुरा, त्रिलोक सिंह रावत, नवल किशोर सेमवाल, विक्रम सिंह नेगी, संतोष भट्ट, नवीन सजवाण, देवेश्वरी सेमवाल, शकुंतला नौटियाल, शशि गोस्वामी, मंजू कुंवर, ममता रावत, शैलेश देवशाली, जयप्रकाश राणा, कमलेश पाल, अनिल शुक्ला, चंद्र बल्लभ देवली, अरुण पुरोहित आदि मौजूद थे।

5 पदोन्नति व समायोजन को लेकर मिनिस्ट्रीय कर्मियों का कार्य बहिष्कार

नई टिहरी। उत्तरांचल मेडिकल एण्ड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रीयल एसोसियेशन से जुड़े कर्मियों ने नई टिहरी में गुरुवार से पदोन्नति और समायोजन की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार को शुरू किया। कर्मचारियों ने मांगों पर कार्यवाही नहीं होने तक कार्य बहिष्कार जारी रखने की भी बात कही।

गुरुवार को यथास्थान पदोन्नति व समायोजन की मांग को लेकर मिनिस्ट्रीयल कर्मियों ने जिला मुख्यायल पर सीएमओ कार्यालय के निकट कार्य बहिष्कार धरना दिया। नारेबाजी करते हुए उनकी मांग पूरी करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर गौर न किया गया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई–निविदा विस्तार सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार से आमन्त्रित **ई–निविदा सं0 08/EDDK/24–25 से ई–निविदा सं0 11/EDDK/24–25** के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश 18.03.2025 को 10.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 18.03.2025 को 12.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई–निविदा प्रपत्र आनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 18.03.2025 एवं समय 15.30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्तें पूर्ववत है।

पत्रांक : 430/विविखको/टी–6 दिनांक : 06.03.2025

अधिशासी अभियन्ता, वि0वि0 खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0, ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 24.03.2025 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 24.03.2025 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
06/2024–25	रू0 590/–	वि0वि0 उपखण्ड– थैलीसैण के अन्तर्गत एच0टी0, एल0टी0, लाइनों पर लम्बे स्पानों के मध्य विद्युत पोल लगाये जाने का कार्य।	29000.00

पत्रांक : 1305/विविखनै/टी–6
दिनांक : 06.03.2025

अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

एक नजर

शतरंज में सुमित और मानसी रहे अव्वल

चमोली। राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा में चल रहे वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न खेलों में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सुमित चंद (बालक वर्ग) और मानसी (बालिका वर्ग) ने शतरंज के खेल में प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि 100 मीटर दौड़ में नितिन (बालक वर्ग) और देवयानी (बालिका वर्ग) ने प्रथम स्थान पाया। बैटमिंटन में नितिन रावत बालक वर्ग और बालिका वर्ग में देवयानी ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं मौके पर पहुंचे प्रतापनगर विधायक विक्रम नेगी ने प्रतियोगियों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और कहा की खेल कूद स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक है। खेलों से शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक क्षमता को भी बढ़ावा मिलता है और प्रतिस्पर्द्धा की भावना का विकास होता है।

छात्रों ने जानी फार्मा उद्योग व स्टार्टअप्स की बारीकियां

देहरादून। एसजीआरआर विवि के स्कूल आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में गुरुवार को फार्मा अन्वेषण का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं ने विशेषज्ञों से फार्मा उद्योग व स्टार्टअप्स की बारीकियां जानीं। कुलपति, प्रो. कुमुद सकलानी और डीन स्कूल आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज प्रो. दिव्या जुयाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो. दिव्या जुयाल ने विद्यार्थियों को फार्मेसी षिक्षा के जनक डा एमएल श्राफ के बारे में बताया। उन्होंने छात्र–छात्राओं को फार्मा सेक्टर में उज्जवल भविश्य हेतु प्रयासों के लिए प्रेरित किया । कहा कि फार्मास्युटिकल उद्योग में प्रगति और नवाचार के असीम अवसर उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाने के लिए छात्र–छात्राओं को सतत प्रयास करना चाहिए । उत्तराखण्ड राज्य के सेंट्रल फार्मेसी काउंसिल के सदस्य डा. षिवानंद पाटिल ने छात्र–छात्राओं को फार्मा अन्वेषश के बारे में विस्तार से बताया।

प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ एबीवीपी का प्रदर्शन

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरुवार को प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग का ज्ञापन भी जिलाधिकारी को भेजा गया। एबीवीवी के कार्यकर्ता रेंजर्स ग्राउंड से रैली के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय तक गए। जहां उन्होंने कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मांग की कि निजी स्कूलों में प्रत्येक वर्ष होने वाली अत्यधिक फीस वृद्धि पर कार्रवाई हो। इसके अलावा आरटीई के छात्रों के साथ भेदभाव बंद हो। वहीं ये भी कहा कि एनसीईआरटी के अलावा प्राइवेट पब्लिकेशन की पुस्तकें स्कूलों में बंद हों। साथ ही ये भी मांग की कि जबरदस्ती फेल कर रि–टेस्ट के नाम पर फीस वसूली बंद हो और स्कूल में विभिन्न कार्यक्रमों के नाम पर पैसे वसूली पर भी रोक लगे। शिक्षकों की योग्यता और उन्हें पूरा वेतन देने की जांच की भी मांग की। ज्ञापन सौंपते हुए महानगर मंत्री यशवंत पंवार ने बताया की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् छात्र हितों के विषयों को लेकर हमेशा सजग रहा है , देहरादून में संचालित प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के कारण पूरे शहर में विद्यार्थियों व अभिभावकों का जीवन आर्थिक और मानसिक रूप से प्रभावित हो रहा है। जिस कारण सामान्य विद्यार्थियों की पढाई प्रभावित हो रही है।

कांवली, पलटन बाजार, धामावाला में आंतरिक सड़कों की दशा सुधरेगी

देहरादून। राजपुर रोड विधायक खजान दास ने गुरुवार को कांवली रोड, पलटन बाजार, धामावाला, मोती बाजार, झंडा वार्ड के निवासियों को आन्तरिक मार्गों के 345.68 लाख रुपये से अधिक के सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास कर सौगात दी। जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। क्षेत्रवासी पिछले काफी समय से आन्तरिक मार्गो के सुधारीकरण की मांग कर रहे थे। खजानदास ने संबंधित अधिकारियों निर्देश दिये कि निर्माण कार्य गुणवत्तायुक्त निर्धारित समयावधि में पूरे किए जाएं। इस अवसर पर विधायक खजानदास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। इस अवसर पर ईई पीडब्ल्यूडी जितेन्द्र त्रिपाठी, हरीश डोरा, विशाल गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष भाजपा पंकज शर्मा, पार्षद संतोख नागपाल, अनीता गर्ग, वैभव अग्रवाल, विमला गौड़, अंकुर जैन सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री का मिला साथ, दौड़ेगी यात्रा, बनेगी बात

शीतकालीन यात्रा तो चमकी ही, चार धाम यात्रा के लिए भी आधार किया तैयार

जयन्त प्रतिनिधि। उत्तरकाशी : मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा और खूबसूरत हर्षिल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक-एक संदेश के गहरे मायने हैं। देश-दुनिया तक इन शब्दों की अनुगूंज पहुंचना तय है। उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा को प्रधानमंत्री का जैसा साथ मिला, वह खास है। उन्होंने जिस अंदाज में उत्तराखंड की यात्रा का प्रमोशन किया है, वह अभूतपूर्व है। इसके बाद, उत्तराखंड के शीतकालीन पर्यटन के सरपट दौड़ने की पूरी उम्मीद की जा रही है।प्रधानमंत्री का यह प्रवास उस वक्त हुआ है, जबकि करीब दो महीने की शीतकालीन यात्रा शेष है। इसके बाद 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा का श्रीगणेश होना है। ऐसे में प्रधानमंत्री के एक प्रवास ने उत्तराखंड की दोनों यात्राओं के लिए बेहतर आधार तैयार कर दिया है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड का हर तरह से प्रमोशन किया। प्रमोशन के लिए धाम तापो पर्यटन की बात हो, धर्माचार्यों और योगाचार्यों से शीतकाल में योग शिविर आयोजित करने की बात हो, कॉरपोरेट को सेमिनार का सुझाव हो, फिल्म निर्माताओं को फिल्मों की शूटिंग के लिए आह्वान हो या फिर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अपील हो, सबने अपना अलग प्रभाव छोड़ा है।

रजत जयंती वर्ष में सबसे गंभीर प्रयास

उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शीतकालीन यात्रा का सबसे बड़ा प्रमोशन कर दिया है। इस यात्रा के प्रमोशन के लिए इससे पहले कभी इतने गंभीर प्रयास नहीं हुए। उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा के साथ प्रधानमंत्री के जुड़ाव के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जो प्रयास किए थे, उसका सार्थक परिणाम सामने आया है। बहुत कम समय में उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा और पर्यटन देश-दुनिया की नजरों में आ गए हैं।

फिर साबित हुए सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर

प्रधानमंत्री एक बार फिर उत्तराखंड के लिए सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर साबित हुए हैं। केदारनाथ धाम का उदाहरण सामने हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रियता से श्रद्धालुओं के पहुंचने के नए रिकॉर्ड बने हैं। शीतकालीन यात्रा का हिस्सा बनने की इच्छा प्रधानमंत्री ने 28 जनवरी को राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ के मौके पर ही जाहिर कर दी थी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से भावनात्मक लगाव ही है, वह कार्यक्रम में बदलाव के बावजूद मुखवा-हर्षिल पहुंच गए।

मुखवा हर्षिल निहाल, पीएम-सीएम का आभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखवा आगमन से पूरा क्षेत्र निहाल है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला अवसर है, जबकि कोई प्रधानमंत्री मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल पर पूजा-अर्चना के लिए पहुंचा हो। गंगोत्री मंदिर के सचिव सुरेश सेमवाल का कहना है यह अवसर गौरवान्वित करने वाला है। तीर्थ पुरोहित व लोक कलाकार रजनीकांत सेमवाल कहते हैं मुखवा का चयन करने के लिए पीएम व सीएम के प्रति हम आभारी हैं।

शीतकालीन गद्दी स्थल पर पूजा अर्चना कर पीएम ने निहारा भव्य हिमालय

जयन्त प्रतिनिधि। उत्तरकाशी : अपने एक दिवसीय दौरे पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले मुखवा गांव में मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर पूजा-अर्चना कर देशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री ने विधि-विधान से मां गंगा की पूजा कर भोग भी चढ़ाया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने रांसों नृत्य से प्रधानमंत्री का स्वागत किया।इसके बाद उन्होंने मुखवा गांव से ही भव्य हिमालय के दर्शन किए। प्रधानमंत्री काफी देर तक व्यू प्वाइंट से बर्फ से लकदक चोटियों के साथ ही हर्षिल घाटी से बहती भागीरथी नदी की सुंदरता को निहारते रहे। इसके बाद वो सड़क मार्ग से हर्षिल कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले उत्तराखंड में शीतकालीन यात्रा पर आधारित एक्जीबिशन का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में उत्तराखंड के प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थलों को दर्शाया गया था। इसके बाद उन्होंने ट्रैकिंग एवं बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुखीमठ (मुखवा) को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने और प्रदेश की सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत को सशक्त बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री जी की यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लद्दाख तर्ज पर बनेगा उत्तराखंड का हर्षिल क्षेत्र देश का बड़ा मोटर बाईक डेस्टिनेशन : पीएम

प्रधानमंत्री ने शीतकालीन पर्यटन के साथ शीतकालीन साहसिक खेलों को दिया बढ़ावा
प्रधानमंत्री के प्रयास से उत्तराखंड में बाइक रैली और ट्रैकिंग को मिलेगा बढ़ावा

उत्तराखंड के लिए बारामासी पर्यटन गतिविधियां बेहद जरूरी, हर सीजन में पर्यटन रहे ऑन

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड में 365 दिन का पर्यटन जरूरी है। वो चाहते हैं कि उत्तराखंड में कोई भी पर्यटन सीजन ऑफ नहीं रहे, बल्कि हर सीजन में टूरिज्म ऑन रहे। कहा कि वर्तमान में, पहाड़ों में पर्यटन मौसमी है, जिसमें मार्च, अप्रैल, मई और जून के दौरान पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद होती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके बाद पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आती है, जिससे सर्दियों के दौरान अधिकांश होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे खाली हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस असंतुलन के कारण उत्तराखंड में साल के एक बड़े हिस्से में आर्थिक ठहराव बना रहता है और पर्यावरण के लिए भी चुनौतियां पैदा होती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा सर्दियों के दौरान उत्तराखंड की यात्रा करने से देवभूमि की दिव्य आभा की सच्ची झलक मिलती है। उन्होंने कहा विंटर टूरिज्म में यहां, लोगों को ट्रैकिंग, स्कीइंग जैसी एक्टिविटीज का रोमांच, सचमुच में रोमांचित कर देगा। कहा कि उत्तराखंड में धार्मिक यात्राओं के लिए सर्दियां विशेष महत्व रखती हैं, क्योंकि इस दौरान कई पवित्र स्थलों पर अनोखे अनुष्ठान किए जाते हैं। उन्होंने मुखवा गांव में होने वाले धार्मिक समारोहों को क्षेत्र की प्राचीन और महत्वपूर्ण परंपराओं का अभिन्न अंग बताया।

जयन्त प्रतिनिधि। उत्तरकाशी : राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने एवं गंगोत्री धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल उत्तरकाशी के मुखवा गांव में मां गंगा के दर्शन करने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हर्षिल, उत्तरकाशी में शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम के तहत 2 मोटर बाइक रैली एवं 2 ट्रैक रूट दलों को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने धार्मिक पर्यटन के साथ शीतकाल के समय उत्तराखंड में होने वाले साहसिक खेलों को भी बढ़ावा दिया। जिसके तहत उन्होंने नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पीडीए घाटी के अद्भुत और अनछुए पर्यटन गंतव्यों के लिए साहसिक पर्यटन अभियानों का फ्लैग ऑफ किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर्षिल से पी.डी.ए मोटर बाईक रैली के 21 सदस्यों (भारतीय सेना) के दल एवं हर्षिल-जादुंग मोटर बाइक रैली के 18 सदस्यों (उत्तराखंड पर्यटन) के दल को फ्लैग ऑफ किया। साथ ही उन्होंने नीला पानी-मुलिंग ला पास ट्रैक के 15 सदस्यों (आई.टी.बी.पी) के दल एवं जादुंग-जनकताल ट्रैक पर जा रहे 22 सदस्यों (एन.आई.एम) के दल का भी फ्लैग ऑफ किया। मोटर बाईक रैली (हर्षिल-पी.डी.ए), मोटर बाइक रैली (हर्षिल-जादुंग) मोटर बाइक रैली नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पी.डी.ए वैली में आयोजित की जा रही है। इन घाटियों की भौगोलिक स्थिति लद्दाख की भांति है। जिसका उद्देश्य लद्दाख वैली की तर्ज पर उत्तराखंड के हर्षिल क्षेत्र को देश का बड़ा मोटर बाईक डेस्टिनेशन बनाया जाना है। नीलापानी-मुलिंग ला पास ट्रैक एवं जादुंग-जनकताल ट्रैक रूट गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र में स्थित है तथा भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना बाईब्रेन्ट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सम्मिलित है। जो ईनर लाईन क्षेत्र में पड़ते है, जहां पर आवागमन हेतु ईनर लाईन परमिट की आवश्यकता होती है। उक्त क्षेत्र को पुनः बसायत किये जाने हेतु पर्यटन विभाग द्वारा जादंग में होमस्टे बनाये जा रहे हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों के रोजगार एवं आजीविका के विकास का सृजन किया जाना है।

वसंतोत्सव–2025 के लिए तैयार राजभवन

देहरादून। राजभवन, देहरादून में 07 से 09 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय वसंतोत्सव–2025 (पुष्प प्रदर्शनी) का आयोजन हो रहा है। इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए उद्यान विभाग द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वसंतोत्सव का शुभारंभ 07 मार्च को प्रातः 10 बजे राज्यपाल द्वारा किया जाएगा। पुष्प–प्रदर्शनी 07 मार्च को दोपहर 1 बजे से सायं 6 बजे तक तथा 08 और 09 मार्च को प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक जनसामान्य के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। इस आयोजन में 15 मुख्य प्रतियोगिताओं की कुल 55 उप–श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित विजेताओं को 9 मार्च को कुल 165 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। राज्यपाल के निर्देशन में इस वर्ष वसंतोत्सव में कई नवीन पहल शुरू की गई हैं। उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा इस आयोजन में आने वाले लोगों की गणना एआई एप्लिकेशन के माध्यम से की जाएगी, जिसके लिए राजभवन के मुख्य द्वार पर एआई इनेबल कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा वसंतोत्सव में आने वाले आगंतुक वेबसाइट पर भी पंजीकरण कर सकते हैं, जहां रजिस्ट्रेशन करने पर आगंतुक की सुविधा के लिए एक आई–कार्ड जनरेट होगा।

गणित ही भौतिक विज्ञान की जननी है : डॉ. रावत

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, थलीसैंण में उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) एवं भौतिक विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू हो गया है। इस मौके पर डॉ. बिपेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि गणित ही भौतिक विज्ञान की जननी है, विज्ञान से ही हम बहुत कुछ सीखते एवं समझते है।मुख्य अतिथि डॉ. मोनू मिश्रा सहायक प्राध्यापक दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ. सौरभ रावत दून विश्वविद्यालय, डॉ. ओपी नौटियाल वरिष्ठ वैज्ञानिक, यूसर्क, डॉ. बिपेन्द्र सिंह रावत सहायक प्राध्यापक, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशाराम पोखरियाल, प्रभारी प्राचार्य डॉ. छाया सिंह ने संयुक्त रूप से सरस्वती प्रतिमा के द्वीप प्रज्जवलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. मोनू मिश्रा ने सेमीकंडक्टर का परिचय, आवश्यकता एवं सामान्य व्यवहार में सेमीकंडक्टर के उपयोगों के विषय में बताया। डॉ. ओपी नौटियाल ने भौतिक विज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक गुणों के प्रति विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। रिसर्च एसोसिएट-ग्लास्गो डॉ. संदीप पाण्डेय ने ऑनलाइन माध्यम से ग्रफीन अपशिष्ट से प्राप्त ग्रफीन नानोशीट आधारित पदार्थों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कशिश पोखरियाल एवं अजय रावत ने किया।

सेमंडीधार में हुआ दिव्यांग शिविर आयोजित

नई टिहरी। जखणीधार ब्लॉक के ढुंगमंदार पट्टी के लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सेमंडीधार में दिव्यांग शिविर आयोजित किया। जिसमें दिव्यांग जनों के प्रमाण पत्र, यूनिक आईडी, विभिन्न पेंशन के आवेदन पत्र जमा किए गए।

उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भेजी। जखणीधार की ब्लॉक प्रशासक सुनीता देवी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए दिव्यांग जनों को प्रमाण पत्र व्हीलचेयर बैसाखी आदि सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। ब्लॉक प्रशासक ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वह दिव्यांग, निर्वासित,वृद्ध, किसान महिलाओं आदि को सरकार की योजना का लाभ लाने में मदद करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रेष्ठा भाकुनी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में एक व्हीलचेयर, 8 छड़ी, 6चशमें, एक बैशाखी, 5 प्रमाणपत्र सहित वृद्धावस्था, निर्वासित,दिव्यांग पेंशन सहित 40 पंजीकरण हुए। राफेल संस्थान की रिंकी चमोली, मधु ने मानसिक रोगियों का परीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. नीरज कर्डम, डॉ. मोइन खान ने दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाए।

मंत्री सौरभ बहुगुणा 10 को रुद्रप्रयाग में

रुद्रप्रयाग। प्रदेश के कैबिनेट एवं जनपद प्रभारी मंत्री 10 मार्च को रुद्रप्रयाग आएंगे। इस दौरान वे आगामी केदारनाथ धाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक ब्लॉक सभागार ऊखीमठ में अपराह्न 3 बजे से आयोजित की जाएगी। इसमें यात्रा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी, प्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। बैठक यात्रा को बेहतर एवं सुचारु संचालन को लेकर अनेक पहलुओं पर विचार किया जाएगा। केदारनाथ यात्रा हर साल लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार एवं प्रशासन यात्रा से जुड़े आवास, परिवहन, सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बीरा भंडारी को दिल्ली में मिलेगा कल्याणी सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य आंदोलनकारी बीरा भंडारी को दिल्ली में कल्याणी सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। महिलाओं के अधिकारों के लिए हमेशा अग्रणीय भूमिका में रहने वाली बीरा भंडारी को तिलु रौतेली सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है।

पौड़ी गढ़वाल की राठ क्षेत्र की रहने वाली उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी और वर्तमान पौड़ी नगर पालिका की ब्रांड एंबेसडर बीरा भंडारी का जीवन समाजिक सरोकारों से जुड़ा रहा उत्तराखंड राज्य आंदोलन में वह जेल भी गई। गत एक वर्ष से बीरा भंडारी नगर पालिका क्षेत्र में पुष्प वाटिका मातृशक्ति समूह के तहत उनकी 11 महिलाओं की टीम स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। पौड़ी को पुष्प नगरी मॉडल बनवाने में उन्होंने कोई कोई कसर नहीं छोड़ी, जिसके लिए उन्हें और उनकी पुष्प वाटिका मातृशक्ति टीम को राज्य स्थापना दिवस पर सम्मानित भी किया गया। इसके उन्हें और उनकी टीम को समय-समय पर जिला प्रशासन, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग उत्तराखंड, क्षेत्रीय विधायक सहित कई समाजिक संगठनों ने और जनप्रतिनिधियों ने सम्मानित किया। पारिवारिक जीवन में अनेकों बार संकट आए फिर भी समाजिक सरोकारों से मुंह नहीं मोड़ा। बीरा भंडारी ने बताया कि कल्याणी समाजिक संस्था की संस्थापिका बबीता नेगी का उन्हें निमंत्रण प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मेरा अकेला नहीं मेरी समस्त मातृशक्ति टीम का है।

मोदी के मुखवा और हर्षिल दौरे को अविस्मरणीय : राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखवा और हर्षिल दौरे को अविस्मरणीय बताया है। उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री जी की यह यात्रा न केवल प्रदेश की शीतकालीन यात्रा को नई पहचान देगी, बल्कि देवभूमि की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करेगी।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के शीतकालीन पर्यटन को नई दिशा और गति देने, वैश्विक स्तर पर वेडिंग डेस्टिनेशन और फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के साथ ही चारधाम यात्रा सहित प्रदेश के समग्र पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में प्रधानमंत्री जी की यह यात्रा एक महत्वपूर्ण आधारशिला साबित होगी,

डीएम तिवारी ने शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन की समीक्षा बैठक ली

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को शत प्रतिशत लाभ दिए जाने के निर्देश दिए। कहा कि जहां जहां निकाय स्तरीय कमेटी गठित नहीं की गयी है वहां यथाशीघ्र कमेटियां गठित की जाएं। कैंप लगाकर निर्माण कायी में लगे मजदूरों, नगर क्षेत्रों में कूड़ा बीनने वाले श्रमिकों का सर्वे किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने यात्रा मार्गों पर स्थानीय उत्पादों की बिक्री हेतु विक्रय केन्द्र खोलने के लिए स्थान का चयन करने तथा विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को नियमानुसार प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ईओ को शहरी गरीबी उन्मूलन गाइडलाइन का प्रॉपर अध्ययन करने के निर्देश दिए। गोपेश्वर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि मिशन शहरी गरीबों की व्यावसायिक, सामाजिक और आवासीय कमजोरियों को दूर करने व छोटे व्यवसायों में लगे व्यक्तियों को शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिसमें निर्माण श्रमिक, परिवहन श्रमिक, देखभाल श्रमिक, घरेलू श्रमिक व अपशिष्ट श्रमिक शामिल होंगे।

नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

चमोली। नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने यात्रा मार्गों की स्थिति, पड़ावों पर तैयारी और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने यात्रा के सफल और सुगम आयोजन के लिए अधिकारियों को निर्माण कार्यों के साथ की जाने वाली तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बैठक के दौरान नंदा देवी राजजात यात्रा को लेकर यात्रा पड़ावों पर पार्किंग, आवास, पेयजल और विद्युत सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए किए जाने वाले कार्यों को चिहिंत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यात्रा तैयारियों को लेकर 25 उप समितियों का गठन करने के साथ ही 25

सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। वहीं यात्रा मार्ग पर किए जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए जन प्रतिनिधियों, समितियों और ग्रामीणों की ओर से 5 सौ प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रस्तावों पर कार्रवाई और दोहराव न हो इसके लिए प्रस्तावों के परीक्षण करने के जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी को विधायकगणों व समितियों के साथ बैठक कर प्रस्तावों को लेकर चर्चा करने के भी निर्देश दिए।

संस्कृत ग्राम योजना के लिए गांवों का किया चयनः वरखड़ी

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में संस्कृत भाषा के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए संस्कृत ग्राम योजना बनाई गयी है। उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी द्वारा इसके लिए प्रदेश के हर जनपद में एक गांव का चयन किया गया है।

इन गांवों में निवास करने वालों को अपने दैनिक व्यवहार में संस्कृत भाषा के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। इन गांवों में संस्कृत प्रशिक्षक की नियुक्ति भी की जायेगी। कुलपति प्रो वरखेड़ी के अनुसार देवभाषा संस्कृत से समाज के हर वर्ग तक को जोड़ने का लक्ष्य है। केंद्रीय संस्कृत विवि ने उत्तराखण्ड की धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक महत्ता को देखते उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी के साथ संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार की पहल प्रदेश में की है। उत्तराखण्ड में भोगपुर देहरादून, नूरपुर हरिद्वार, मुखेम टिहरी, कोटगांव मोरी उत्तरकाशी, डिम्मर चमोली, गोदा खिरसू पौड़ी गढ़वाल, बैंजी रुद्रप्रयाग, कोटा बाग नैनीताल, जैती ताड़ीखेत, अल्मोड़ा, खर्ककार्की चंपावत, शेरी बागेश्वर, उर्ग मुनाकोट पिथौरागढ़, नगला तराई ऊधम सिंह नगर को संस्कृत ग्राम के रूप में चयनित किया गया है।

प्रदेश में विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम के अनुसार उत्तराखण्ड संस्कृत विवि से भी इसको लेकर कई करार हुए हैं। डॉ.सूर्यमणि भंडारी को संस्कृत ग्रामों का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com